B. A. Part-1 – Subject - Psychology (Subsidiary)
Teacher – A. K. Sinha
Topic – Personality: Definition Page-1

व्यक्तित्व व्यक्ति के अन्दर एक अमूर्त सत्ता है जिसके व्यक्ति की सारी क्रियाएँ एवं व्यवहार प्रभावित होते रहता है। व्यक्ति अपने व्यक्तित्व के कारण ही एक दूसरे से भिन्न नजर आते हैं। यह व्यक्तिगत विभिन्नता के अध्ययन क्रम में ही व्यक्तित्व का अध्ययन की आवश्यकता मनोवैज्ञानिकों द्वारा महसूस किया जाने लगा। यूँ तो संरचनावादियों को इसके ओर दिलचस्पी नहीं देखा गया। वे लोग मात्र सामान्य व्यस्क मानव व्यक्तियों के चेतन अनुभवों के अध्ययन एवं उनके सम्बन्धों में सामान्य नियम बनाने में अपनी रुचि दिखाई। अचेतन मन अथवा अचेतन अनुभव का अस्तित्व सिद्ध कर Freud ने एक ऐसे मनोविज्ञान की स्थापना की जिसका केन्द्रीय विषय व्यक्तित्व का अध्ययन बना। व्यक्ति के समस्त मनोवैज्ञानिक क्रियाएँ व्यक्ति के व्यक्तित्व के स्वरूप से ही निर्धारित होते हैं तथा उन क्रियाओं से व्यक्ति का व्यक्तित्व भी निर्धारित होते रहता है। व्यक्तित्व का अध्ययन तो मनोविज्ञान के लिए एक जटिल समस्या है। फिर भी विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा इसे समझने का प्रयास किया जाता है। व्यक्तित्व को समझने के पूर्व उसकी परिभाषा का उल्लेख आवश्यक प्रतीत होता है।

व्यक्तित्व शब्द अंग्रेजी के Personality शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। Personality शब्द मूल रूप से Greek भाषा के Persona शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है एक तरह का नकाब या मास्क जिसे पहनने पर दूसरे व्यक्तियों अथवा प्राणियों का चेहरा दीखता है वास्तविक व्यक्ति का चेहरा नहीं दीखता है। साधारण तौर पर व्यक्तित्व का यह शाब्दिक अर्थ के अनुसार व्यक्ति जो दीखता है वह है नहीं परन्तु जो है सो दीखता नहीं है।

शेष पृष्ठ 2 पर

परन्तु मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यक्तित्व को व्यापक रूप से परिभाषित करने का प्रयास किया जाता है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा व्यक्तित्व से सम्बन्धित कुछ परिभाषाएं उल्लेखनीय हैं, जो इस प्रकार हैं:—

Morton Prince (मॉर्टन प्रिंस) ने व्यक्तित्व परिभाषित करते हुए लिखा कि:—

"Personality is the sum total of all the biological innate dispositions, impulses tendencies, appetites and instincts of the individual, and the acquired dispositions and tendencies".

जबकि Floyd Allport का कहना है कि:—

"Personality is the individuals' characteristic reactions to social stimuli and the quality of his adaptation to the social features of his environment."

परन्तु Watson ने Personality को परिभाषित करते हुए कहा है कि:—

"Personality is the sum total of habits and habit-systems observed over a long period of time to give reliable information.

Watson से मिलती-जुलती व्यक्तित्व की परिभाषा Guthrie द्वारा भी दी गई है:—

"Personality consists of those habit & habit-system of social importance that are stable and resistant to change."

Guthrie तथा Watson के परिभाषाओं के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व को समझने के केवल व्यक्ति के आदत तथा आदत-तंत्रों को समझना आवश्यक है।

शेष पेज-3 पर

दोनों परिभाषाओं में केवल आदत या आदततंत्रों पर ही ज़ोर दिया गया है केवल शब्दों का ही उलट फेर है। इस तरह दोनों परिभाषाएँ एक ही श्रेणी के परिचायक हैं।

परन्तु Garden Allport ने व्यक्तित्व की परिभाषा कुछ अलग ढंग से देते हुए कहा है कि :—

"Personality is the dynamic organisation within the individual, of those Psychophysical Systems that determine his unique adjustment to his environment."

व्यक्तित्व के सम्बन्ध में उपरोक्त दी गई सभी परिभाषाओं में G. Allport की परिभाषा सबसे उपयुक्त प्रतीत होता है। उनके द्वारा दी गई परिभाषा से स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व व्यक्ति के अन्दर के उन सभी मनःशारीरिक तंत्रों का गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण के प्रति उसके अपूर्व अभियोजन को निर्धारित करता है। इस प्रकार व्यक्तित्व स्थिर स्वभाव नहीं बल्कि परिवर्तनशील स्वरूप का होता है। यह गत्यात्मक संगठन व्यक्ति के अन्दर रहता है, बाहर नहीं। कहने का तात्पर्य है कि व्यक्तित्व का समुचित ज्ञान बाहर से देखने पर नहीं बल्कि उसके अन्दर प्रवेश कर देखने से होगा। व्यक्तित्व में मनोविज्ञान और जीवविज्ञान दोनों का महत्व होता है। Allport ने अपनी परिभाषा में व्यक्तित्व के सामाजिक उद्दीपन-मान के महत्व को भी स्वीकार किया है। उनके अनुसार व्यक्तित्व इस बात का उत्तरदायी है कि एक उद्दीपन पर विभिन्न व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ करता है। इस संदर्भ में उन्होंने बड़े सुन्दर ढंग से स्पष्ट करते हुए लिखा है कि :—

"The same fire that melts butter hardens the egg."

इस प्रकार इनके द्वारा दी गई परिभाषा जैवमौलिक परिभाषाओं के वर्ग में आती है जिसके अनुसार व्यक्तित्व का सम्बन्ध व्यक्ति के आन्तरिक गुणों से है चाहे वह बाहर से दिखाई दे या नहीं। अनेक भौतिक शक्तियाँ दिखाई नहीं देती हैं परन्तु उनके अस्तित्व से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उनकी कार्यवाहियाँ उनका अस्तित्व सिद्ध करती हैं।

—o—